राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–246/2023

स्वामी विवेकानंद नर सेवा को ही ईश्वर की सेवा मानते थे– राज्यपाल

पटना, 11 सितम्बर, 2023 :– ''स्वामी विवेकानंद नर सेवा को ही ईश्वर की सेवा मानते थे। उनका मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर दिव्यता है जिसे टटोलने और स्पर्श करने की जरूरत है। वह किसी व्यक्ति की बुराइयों को न देखकर उसकी दिव्यता पर ध्यान देते थे।'' –यह बातें, महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी, शाखा–पटना द्वारा बिहार इंडस्ट्रीज एसोसियेशन भवन, पटना में आयोजित 'विश्व बंधुत्व दिवस' के अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में आयोजित धर्म सम्मेलन में ऐतिहासिक भाषण दिया था। उनके विचारों से प्रभावित होकर अन्य धर्मों के लोग हिन्दू धर्म अपनाने को तैयार थे, परन्तु स्वामी जी ने उन्हें ऐसा करने से मना करते हुए अपने धर्म का ही अवलंबन करने को कहा। गोवा में पूर्व में कराये गये धर्म परिवर्तन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ऐसी नही है। भगवान श्रीराम ने भी लंका पर विजय के बाद विभीषण को वहाँ का राजा बनाया था।

राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद सनातन धर्म और शाश्वत सत्य को लेकर शिकागो गये थे। यह हमारे सनातन विचार का ही सामर्थ्य था कि पूरा विश्व उनके पीछे हो गया।

उन्होंने कहा कि विगत दिनों नई दिल्ली में आयोजित जी–20 की बैठक में विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम् का प्रकटीकरण हमें देखने को मिला। विश्व के अनेक देशों के नेता अपनी अनेक विविधताओं के बावजूद एक दिशा में जाने को तत्पर दिखाई पड़े। हमारा सौभाग्य है कि आज हम अपनी ताकत को पहचान कर उसे विश्व के समक्ष रख रहे हैं। भारत धीरे–धीरे आर्थिक महाशक्ति बनने को तैयार हो रहा है। इसमें हमारा योगदान चाहिए। आज विश्व के अनेक देश हमारी मुद्रा 'रूपया' में व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियाँ संचालित करने को तैयार हैं।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्षों के लिए हमें अमृतकाल का संदेश दिया है। यह स्व–जागरण, स्व–संस्कृति, स्व–इतिहास, और स्व–परंपरा को जागृत करने का समय है। अमृतकाल पुनर्निर्माण का समय है और इसमें हमारी सहभागिता आवश्यक है। इस सोच के साथ आगे बढ़ने और काम करने पर भारत वर्ष 2047 तक विश्वगुरू बन सकेगा। यह एक स्वप्न नही बल्कि, विजन और आनेवाले समय की वास्तविकता है। स्वामी विवेकानंद भारत को सर्वोत्तम स्थान पर देखना चाहते थे। उनके सपनों को पूरा करना हमारा दायित्व है और हमें इसका संकल्प लेना चाहिए।

आगे पृष्ठ....2 पर

कार्यक्रम को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ० रामेश्वर सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विवेकानंद केन्द्र, पटना के प्रांत सह संचालक श्री सत्येन्द्र कुमार शर्मा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....